पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'मैं अनाथ हूं'

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 128 ■ बुधवार 29 जुलाई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

साईं सृष्टि इमारत का तीसरी बार स्लैब गिरा

- पिछला पूरा हिस्सा गिरा
- उल्हासनगर-3 स्टेशन रोड की घटना
- हादसे में जनहानि नहीं

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप-3 निवासी चौक के पास स्थित रेलवे स्टेशन रोड पर सोमवार रात को उस समय हड़कंप मच गया, जब तीसरी बार धोकादायक पांच मंजिला साईं सृष्टि इमारत का पिछला पूरा हिस्सा और स्लैब गिर गया। इससे पूर्व भी इसी खाली पड़ी इमारत का दो बार स्लैब गिर चुका है। पास में स्कूल व दुकानें हैं।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि या घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही उल्हासनगर महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग और पुलिस विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

सुरक्षा के मद्देनज़र इमारत के आसपास का क्षेत्र खाली कराया गया और दोनों ओर से सड़क को बंद कर दिया गया, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय शुरू किए। उल्हासनगर महानगरपालिका के अग्निशमन अधिकारी एस.पी बॉम्बे ने बताया कि इमारत के पिछले हिस्से का स्लैब गिरा है।

एहतियात के तौर पर क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित कर दिया गया है और उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी प्रकार की जीवित हानि नहीं हुई है, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

महापौर की अगुवाई में तोड़ी जा रही इमारत

मंगलवार को इस इमारत को तोड़ने का कार्य महापौर अश्विनी कमलेश निकम की देखरेख में शुरू किया गया। महापौर ने बताया कि भीड़ वाले इलाके में इस इमारत को सुरक्षा के लिहाज से तोड़ने का कार्य शुरू किया गया है। परिसर के दुकानों को बंद रखा गया है और जल्द से जल्द इसे तोड़कर परिसर को सुरक्षित किया जाएगा।

500 वर्गफुट की झुग्गियों को मालिकाना हक

- 31 दिसंबर, 2026 तक किया जा सकता है आवेदन - MLA बालाजी किणीकर

उल्हासनगर. महाराष्ट्र सरकार की ज़मीन पर 2011 से पहले बनी झुग्गियों में रहनेवालों को उनके घरों का मालिकाना हक मुफ़्त में दिया जाएगा। इसके लिए MLA बालाजी किणीकर और सब-डिवीजनल ऑफिसर विजयानंद शर्मा ने मनपा की प्रभाग समिति में 31 दिसंबर तक अप्लाई करने की अपील की है। किणीकर ने यह भी कहा कि शिवसेना इसके लिए शाखा स्तर पर कैंप लगाने और इसका सीधा फ़ायदा नागरिकों को दिलाने की कोशिश कर रही है।

महाराष्ट्र सरकार के निर्देश के मुताबिक, 1 जनवरी, 2011 तक सरकारी ज़मीन पर हुए रिहायशी कब्ज़ों को रेगुलराइज़ करने की प्रक्रिया को लेकर सोमवार को उल्हासनगर सब-डिवीजनल ऑफिस में विधानसभा क्षेत्रस्तरीय समीक्षा समिति की बैठक हुई. मीटिंग की अध्यक्षता MLA बालाजी किणीकर ने की। इस अवसर पर राजस्व और वन विभाग द्वारा जारी सरकारी निर्णय के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में तहसीलदार, शहर सर्वेक्षण अधिकारी, मनपा के सहायक आयुक्त, महावितरण के उप अभियंता और उपविभागीय अधिकारी (सदस्य सचिव) के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। शिवसेना की ओर से शहर प्रमुख सचिन कदम, नगरसेवक प्रदीप गोडसे, सूरज सोनकांबले, सुशील पवार, अनिल मराठे, ज्ञानेश्वर करवंदे और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

व्यावसायिक अतिक्रमण नियमित नहीं होंगे

- इस बैठक में उपविभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा ने स्पष्ट किया कि 1 जनवरी 2011 को या उससे पहले सरकारी जमीन पर हुए केवल रिहायशी अतिक्रमण ही नियमितीकरण के लिए पात्र होंगे।
- आरक्षित भूमि, सार्वजनिक उपयोग की जमीन, सड़क, नाले, नदी, जंगल की जमीन, रेलवे और राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर हुए अतिक्रमण इस योजना के दायरे में नहीं आएंगे।
- इसी तरह, दुकान, गोदाम, होटल समेत सभी तरह के व्यावसायिक अतिक्रमण नियमित नहीं किए जाएंगे।
- सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, 500 वर्ग फीट तक के रिहायशी अतिक्रमणों का नियमितीकरण मुफ्त में किया जाएगा।
- वहीं, 500 से 1500 स्क्वेयर फीट के एरिया के लिए तय कीमत का 10 परसेंट फीस ली जाएगी। 1500 स्क्वेयर फीट से ज्यादा के कब्ज़े को रेगुलर नहीं किया जाएगा।
- कब्ज़े के सबूत के तौर पर वोटर लिस्ट, बिजली का बिल, टैक्स की रसीद, सरकारी डॉक्यूमेंट या दूसरे मंज़ूर रिकॉर्ड जमा करने होंगे। एक परिवार इस स्कीम का फ़ायदा सिर्फ़ एक बार ही उठा सकता है।

उल्हासनगर में 105 वाहनों पर पुलिस की कार्रवाई

- 1.12 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया
- कल्याण-बदलापुर रोड पर गैर-कानूनी पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई
- व्यापारी नाराज
- ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी

उल्हासनगर. उल्हासनगर ट्रैफिक सब-डिवीजन ने सोमवार को कल्याण-बदलापुर रोड पर गैर-कानूनी पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की। इस अभियान में 105 मामलों में कार्रवाई की गई और कुल 1 हजार 12 हजार 300 रुपये का जुर्माना वसूला गया। यह खास अभियान पुलिस निरीक्षक युवराज सरनोबत के मार्गदर्शन में चलाया गया। इसमें पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोरख चौधरी, असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर पंढरीनाथ काले, पुलिस कांस्टेबल नाना आव्हाड, गोरक्षनाथ दराडे, विशाल गोरले और प्रशांत परदेशी की टीम ने हिस्सा लिया। यह कार्रवाई कल्याण-बदलापुर रोड पर शांतिनगर से डर्बी चौक तक के इलाके कार बाजार में पुरानी गाड़ी बेचने वालों, टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर गैरेज ड्राइवरों और कार डेकोरेटर्स के खिलाफ की गई, जो अपनी दुकानों के सामने अपनी गाड़ियां पार्क कर रहे थे। यह देखा गया कि पब्लिक सड़कों पर रिपेयर के लिए खड़ी गाड़ियां और दुकानों के बाहर डेकोरेशन के लिए खड़ी गाड़ियां ट्रैफिक में रुकावट डाल रही थीं। चूंकि कल्याण-बदलापुर रोड बहुत बिजी रोड है, इसलिए इस तरह की गैर-कानूनी पार्किंग से ट्रैफिक में बड़ी रुकावट आ रही है। इसलिए, भविष्य में ऐसे वाहनों के खिलाफ नियमित रूप से सख्त कार्रवाई की जाएगी, पुलिस निरीक्षक युवराज सरनोबत ने चेतावनी दी।

MLA किणीकर ने बार्टी ट्रेनिंग सेंटर के काम का किया निरीक्षण

- काम समय पर पूरा करने के निर्देश

उल्हासनगर. शहर और आस-पास के इलाकों के टैलेंटेड और एम्बिशियस स्टूडेंट्स को कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी करने और अलग-अलग स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग लेने में मदद करने के लिए, कैंप नंबर 5 में तहसीलदार ऑफिस के कैंपस में 'बार्टी' (डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट) ट्रेनिंग सेंटर का कंस्ट्रक्शन चल रहा है। MLA बालाजी किणीकर और ठाणे सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट की असिस्टेंट कमिश्नर समाधान इंगले ने सोमवार को इस बन रहे सेंटर के काम का इंस्पेक्शन किया। इंस्पेक्शन के दौरान, काम की

क्वालिटी, सेफ्टी और स्पीड का रिव्यू किया गया।

उल्हासनगर पूर्व में मौजूद बार्टी सेंटर के ज़रिए स्टूडेंट्स को कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी के लिए एक ही छत के नीचे ज़रूरी गाइडेंस, अपडेटेड ट्रेनिंग और एजुकेशनल फैसिलिटी दी जाएंगी। इससे खासकर सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े क्लास के स्टूडेंट्स को बहुत मदद मिलेगी और उनका ब्राइट फ्यूचर तेज़ी से बनेगा। बारती सेंटर के कंस्ट्रक्शन का इंस्पेक्शन MLA बालाजी किनिकर और ठाणे सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट के असिस्टेंट कमिश्नर समाधान इंगले ने किया। इस मौके पर उन्होंने सेंटर का काम तय समय में पूरा करने का निर्देश दिया। युवा पीढ़ी को मजबूत बनाना और उल्हासनगर का पूरा विकास हमारा मुख्य लक्ष्य है और हम इसके लिए कमिटेड हैं। इस सेंटर के शुरू होने के बाद लोकल स्टूडेंट्स को कॉम्पिटिटिव एग्जाम के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। MLA बालाजी किणीकर ने इस मौके पर यह बात कही। इस इंस्पेक्शन के दौरान शिवसेना के महानगरप्रमुख राजेंद्र चौधरी, शिवसेना शहरप्रमुख (पूर्व) सचिन कदम समेत शिवसेना के पदाधिकारी, शासकीय अधिकारी व ठेकेदार उपस्थित थे।

जुए के अड्डे पर पुलिस की रेड
7 लोगों पर केस दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के तहत मिरचीवाड़ी इलाके में जुआ खेल रहे 7 लोगों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को रंगे हाथों पकड़कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया है।

सोमवार को पुलिस को जानकारी मिली थी कि नालंबी खदान के पास मिरचीवाड़ी में कुछ लोग अपने फायदे के लिए 'तीन पत्ती' नाम का जुआ खेल रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर अंबरनाथ वेस्ट पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल अमर दिलीप बिरपन ने एक टीम के साथ उस जगह पर रेड मारी। इस रेड के दौरान पुलिस ने जुआ खेल रहे 7 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में जावेद मुबारक शेख (38, ठेकेदार), अदनान अमजद खान (25, बेरोजगार), मुस्तकीम मुस्तफा खान (32, कबाड़ व्यापारी), कपूरचंद कन्हेया लाल वर्मा (33, केटरर), जीशान मजीबुल्लाह खान (21, फेरीवाला), इरफान अलीम शेख (30, सोफा दुकानदार) और सनी शंकर वायकर (32) शामिल हैं।

भाजपा नेता किरीट सोमय्या उल्हासनगर में

- SIR बाबत भाजपा मुख्यालय में ली बैठक

उल्हासनगर. उल्हासनगर भाजपा जिला मुख्यालय में SIR विषय को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व सांसद किरीट सोमय्या विशेष रूप से उपस्थित थे। उनका स्वागत उल्हासनगर जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने किया। उन्होंने आए हुए सभी भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में SIR से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

श्री सोमय्या ने कहा कि सभी कार्यकर्ता नागरिकों तक सही जानकारी पहुँचाने का कार्य करें तथा संगठनात्मक रूप से पूरी तत्परता के साथ कार्य करें। बैठक में भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए जनजागरण अभियान को प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

बिल्ली को धकेल कर मारने वाले पर अपराध दर्ज

- बिल्ली को होगा पोस्टमार्टम

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व पालेगांव में रॉयल फ्लोरा इमारत की 12वीं मंजिल से बिल्ली को नीचे धक्का देकर मारने वाले व्यक्ति पर शिवाजी नगर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है. घटना के बाद शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के बाहर प्राणी प्रेमियों की भीड़ लग गई थी. शहर पश्चिम नया भेंडी पाड़ा निवासी यश मल्लेश जगले (25) ने पशु यातना भारतीय न्याय संहिता कलम 325, 11(1)(l) के तहत अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध अपराध दर्ज कराया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को आरोपी पर अपराध दर्ज करने के आदेश दिए थे.

बिल्ली को पास में ही दफन कर दिया गया था. पशु प्रेमियों ने जमीन खोदकर बिल्ली के शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है. जगले ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि पालेगांव के रॉयल फ्लोरा इमारत फेज 2 ए विंग की 12वीं मंजिल से 26 जुलाई की सुबह 6.44 बजे अज्ञात व्यक्ति ने पालतू बिल्ली को ऊपर से नीचे धकेल दिया. जिसके कारण बिल्ली की मौत हो गई. पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है. इस व्यक्ति का लड़का सोसायटी का सदस्य है, इसलिए उस व्यक्ति को बचाने का प्रयास किया जा रहा है. मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक स्वप्निल चौधरी कर रहे हैं.

विदित हो कि शिकायतकर्ता यश जगले वही व्यक्ति है, जिसने कुछ महिने पहले एक मृत कुत्ते को लेकर नपा के समक्ष आंदोलन कर मांग की थी कि मृत प्राणियों को दफनाने के लिए एक दफन भूमि बनाई जाए. उनकी ये शर्त मानकर नपा ने महासभा में ये विषय पारित कर मृत प्राणियों के लिए श्मशान भूमि बनाने का निर्णय लिया गया है.

बुवापाड़ा की जमीन पर अवैध घर को वैध की योजना लागू नहीं होती -महंत तेजनारायणदास

- ये जमीन हमारी मिल्कियत है

अंबरनाथ. अंबरनाथ (प.) के बुवापाड़ा परिसर में ये अफवाह किसी ने फैला दी है कि बुवापाड़ा की भूमि पर बसे अतिक्रमण धारक घरों अथवा किरायादारों को भी महाराष्ट्र शासन द्वारा घोषित किए गए योजना के अनुसार घरों को अवैध से वैध करके प्रापर्टी कार्ड मिलेगा. इस अफवार का खंडन महंत तेजनारायण दास गुरु महंत शामलदास ने करते हुए अंबरनाथ नपा मुख्याधिकारी को निवेदन दिया है कि हमारी मालकी की मौजे मोरिवली ता. अंबरनाथ के गट क्र. 62/1, 62/2, 63/1, 63/2, 63/3 व 64 ये जमीन हमारी मिल्कियत एवं कब्जा वहीवाट की मिल्कियत है.

सरकारी जमीन का अतिक्रमण नियमित करने बाबत शासन का निर्णय हुआ है. शासन निर्णय की शर्तें हमारी जमीन पर बसे किरायेदार-अतिक्रमणधारकों पर लागू होती नहीं है. बाबा महंत तेजनारायण दास ने आगे लिखा है कि हमें ये सुनने और देखने को मिल रहा है कि कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधि हमारे बुवापाड़ा की जमीन पर बसे हुए किरायेदार एवं अतिक्रमण धारकों में अफवाह फैलाकर दिशाभूल कर रहे हैं और उनको बेकायदा इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रवृत्त कर रहे हैं.

बाबा ने मुख्याधिकारी से कहा है कि हमारी बुवापाड़ा की भूमि पर कोई योजना पर अमल ना किया जाए. अगर ऐसा हुआ तो हमारा भारी नुकसान होगा. अगर ऐसा हुआ तो हमारे नुकसान भरपाई की पूरी जिम्मेदारी आपकी व आपके कार्यालय की होगी. इस विषय के संदर्भ में हमारे वकील मार्फत कानूनी हरकत व कार्रवाई बाबत ये हक अधिकार अबाधित रखकर फिलहार हरकत अर्ज पेश किया गया है.

उल्हासनगर के नगरसेवक पहुंचे गुवाहाटी

- मनपा की तिजोरी खाली और स्टडी टूर पर 65 लाख खर्च
- 22 से 26 जुलाई के बीच हुआ था टूर
- टूर पर उठ रहे सवाल

उल्हासनगर. शहर में सड़क, पानी और सीवेज की समस्याओं को अधर में छोड़कर उल्हासनगर महानगर पालिका के नगरसेवक ट्रेनिंग के लिए सीधे गुवाहाटी पहुंच गए. एक तरफ मनपा की तिजोरी खाली है और वहीं दूसरी तरफ 65 लाख रुपये खर्च करके गुवाहाटी के चार दिन के टूर पर चले गए। अब उनके इस दौरे की आलोचना हो रही है।

उल्हासनगर मनपा सचिव के ऑफिस के मुताबिक, यह स्टडी टूर 22 से 26 जुलाई के बीच हुआ था। ट्रेनिंग गुवाहाटी के फाइव-स्टार रेडिसन ब्लू होटल में प्रपोज़्ड थी। इस चार दिन के स्टे के दौरान, हर कॉरपोरेटर पर 52,980 रुपये खर्च करने का प्लान था, जिसमें चार टी ब्रेक, पांच लंच, चार डिनर, और पांच दिनों तक शहर के अंदर प्रोजेक्ट विज़िट के लिए कार, हॉल, ट्रैवल खर्च और स्टेशनरी का इंतज़ाम शामिल था। मुंबई-गुवाहाटी-मुंबई यात्रा के लिए 21,740 रुपये देने थे। इसलिए, हर व्यक्ति पर 74,720 रुपये खर्च होने का अनुमान था। इस टूर के लिए कुल 65 लाख रुपये की प्रशासनिक मंज़ूरी दी गई, ऐसा मनपा सचिव के ऑफिस ने बताया।

- संस्था मुंबई की, ट्रेनिंग गुवाहाटी में

यह ट्रेनिंग मुंबई में ऑल इंडिया लोकल सेल्फ़-गवर्नमेंट ऑर्गनाइज़ेशन ने दी, ऐसा मनपा की पीआर ऑफ़िसर प्राजक्ता कुलकर्णी ने बताया। असेंबली साइंस और फंक्शनिंग, मुद्दे, सवाल बनाना, फ़ाइल बनाना, वार्ड डेवलपमेंट और प्लानिंग जैसे सब्जेक्ट्स पर ट्रेनिंग दी गई। लेकिन, गुवाहाटी में मुंबई के किसी इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग लेने की क्या ज़रूरत थी? यह भी सुझाव दिया गया है कि यही ट्रेनिंग मनपा मुख्यालय में ही ऑर्गनाइज़ की जा सकती थी।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की फाइनेंशियल हालत नाजुक है। म्युनिसिपैलिटी को MIDC से कॉन्ट्रैक्टर के बिल और पानी के बिल भरने में मुश्किल हो रही है। म्युनिसिपैलिटी पर लगभग 700 करोड़ का बकाया है। प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने में लगातार नाकामी मिल रही है। शहर में सड़कों और गड्ढों का मुद्दा अभी भी पेंडिंग है। दो महीने बाद भी म्युनिसिपल स्कूलों के स्टूडेंट्स को स्कूल मटीरियल नहीं दिया गया है।

टूर या मॉनसून टूरिज़्म?

यह ट्रेनिंग टूर 76 कॉर्पोरेटर्स के लिए ऑर्गनाइज़ किया गया था, लेकिन पता चला है कि उनमें से कुछ ने जाने से मना कर दिया। वहीं, सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हुए वीडियो से पता चला कि ज़्यादातर कॉर्पोरेटर्स फ़ैमिली टूर पर गए थे। इसलिए, कई लोगों को हैरानी हुई कि यह स्टडी टूर था या मॉनसून टूरिज़्म। यह भी सवाल उठ रहा है कि कॉर्पोरेटर्स के अलावा फ़ैमिली मेंबर्स का खर्च किसकी जेब से जाएगा।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सुरक्षा नियमों की अनदेखी

यह विचित्र बात है कि एक तरफ भारत अपनी तकनीक का लोहा मनवाने के लिए चांद पर मानव मिशन भेजने की तैयारी कर रहा है, मशीनीकरण और कृत्रिम मेधा पर भी खासा जोर दिया जा रहा है, दूसरी ओर गंदे नालों और सीवेज टैंक की सफाई आज भी बिना सुरक्षा उपकरणों के हाथ से कराई जा रही है, जो कई बार मौत का कारण बन जाती है। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-150 में बीते शनिवार की रात को हुई, जब सीवेज टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से एक श्रमिक और एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई।

आखिर क्या कारण है कि तमाम दिशा-निर्देशों और नियम-कानून के बावजूद उन पर कड़ाई से अमल नहीं हो पा रहा है? क्या इसकी वजह यह है कि सफाई कार्य से जुड़े लोग समाज के निचले और कमजोर तबके के होते हैं, जिनकी शासन-प्रशासन तक सीधी पहुंच नहीं होती है! अगर ऐसा नहीं है, तो फिर इन श्रमिकों को बिना सुरक्षा उपायों के जोखिम भरे कार्य में कैसे झोंक दिया जाता है?

सरकार की ओर से बीते मार्च में संसद में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 से देश में सीवर और सीवेज टैंक की सफाई के दौरान करीब 622 सफाई कर्मियों की मौत हो चुकी है। इनमें से 539 परिवारों को ही पूरा मुआवजा मिल पाया। ये वे आंकड़े हैं, जिन घटनाओं की शिकायत पुलिस में दर्ज की गई, मगर इससे कहीं अधिक मामले ऐसे होते हैं, जो कहीं दर्ज ही नहीं हो पाते हैं। ऐसे में न तो दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई हो पाती है और न ही पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद मिल पाती है।

देश में हाथ से मैला ढोने पर प्रतिबंध और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर वर्ष 2013 में कानून बनाया गया था। इसके तहत किसी व्यक्ति को सीवर या सीवेज टैंक में बिना सुरक्षा मानकों के उतारना प्रतिबंधित है। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2023 में एक अहम फैसले में कहा था कि इस तरह के कार्य के दौरान होने वाली हर मौत के लिए सरकार जवाबदेह है। इसके बावजूद अगर ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो यह सीधे तौर पर शासन-प्रशासन की अनदेखी और लापरवाही का नतीजा है।

विमर्श

रोजगार बाजार के अनुरूप ढले शिक्षा

विकसित भारत के लक्ष्य की सबसे महत्वपूर्ण और मजबूत सीढ़ी शिक्षा है, लेकिन हाल के आंकड़े इस सीढ़ी की कमजोरी दर्शाते हैं। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के अनुसार देश में केवल 56 प्रतिशत स्नातक ही आज किसी छोटे-मोटे रोजगार के योग्य माने जा सकते हैं। औसतन हर दो में से एक युवा डिग्री लेकर भी समकालीन रोजगार बाजार की जरूरतों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। दूसरी ओर इंडिया ग्रेजुएट स्किल इंडेक्स के अनुसार एआइ और मशीन लर्निंग से जुड़ी भूमिकाओं में रोजगार के अवसर पिछले एक साल में 46 प्रतिशत बढ़े हैं, जबकि एचआर, डिजिटल मार्केटिंग और सामान्य प्रशासन जैसी पारंपरिक नौकरियों की मांग लगातार घट रही है।

अमेरिका, चीन, जापान सहित यूरोप के विश्वविद्यालय इस बदलाव को इतनी गंभीरता से ले रहे हैं कि उन्होंने एआइ के कारण अपने पारंपरिक कार्यक्रमों की घटती मांग को देखते हुए न सिर्फ उनकी फीस कम कर दी है, बल्कि बदलते रोजगार परिदृश्य के अनुरूप अपने विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों में आमूलचूल परिवर्तन भी किया है। चीन ने पिछले महीने अपने 12 हजार से अधिक (लगभग एक तिहाई) स्नातक डिग्री कार्यक्रमों को अप्रासंगिक मानते हुए बंद कर दिया। ये वे पाठ्यक्रम थे, जो समकालीन और भविष्य के जाब मार्केट से मेल नहीं खाते। उनकी जगह चीन ने एआइ, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, क्वांटम एप्लीकेशन और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नए कार्यक्रम शुरू किए हैं। इसकी मूल वजह यह थी कि वहां एक ओर

डिग्रीधारी बेरोजगारों की संख्या क्रमशः बढ़ती जा रही थी और प्रतिष्ठानों को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल कर्मी नहीं मिल पा रहे थे।

भारत में भी पुराने और परंपरागत कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों को तत्काल समाप्त या संशोधित करने की आवश्यकता है। उभरते हुए रोजगार परिदृश्य और कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप अपने शिक्षा-तंत्र को बदलकर ही हम उसे प्रासंगिक बनाए रख सकते हैं। आज फैक्ट्री से लेकर बाजार तक और डिजाइनिंग स्टूडियो से लेकर फाइनेंशियल एनालिसिस तक एआइ साथ-साथ काम कर रही है। इस नए युग को 'स्किल आर्मेंटेशन' की जरूरत है, जहां तकनीक इंसान की जगह नहीं लेती, बल्कि उसकी क्षमता बढ़ाती है।

इसी कारण पिछले केंद्रीय बजट में 'शिक्षा के लिए एआइ' उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु 500 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इसे इंडिया एआइ मिशन के साथ जोड़ा गया है। हमें इस मद में भारी मात्रा में निवेश की आवश्यकता है। साथ ही एआइ को केंद्र में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को पुनर्व्याख्यायित और क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। शिक्षा और शोध में अधिकतम निवेश करने वाले देश ही आर्थिक महाशक्ति बनते हैं।

पाठ्यक्रमों को फिर से डिजाइन करने के क्रम में हमें मानविकी को खत्म नहीं करना है, बल्कि उसे समकालीन आवश्यकताओं के अनुसार बदलना है। इतिहास को डाटा विजुअलाइजेशन के साथ, साहित्य को कंटेंट स्ट्रैटेजी और डिजिटल नैरेटिव के साथ दर्शन को एआइ एथिक्स के साथ और भाषाविज्ञान को कंप्यूटेशनल सिमेंटिक्स के साथ जोड़ना होगा। इसे ही डिजिटल ह्यूमैनिटीज और कल्चरल एनालिटिक्स कहा जाता है। इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम को भी लीगेसी तकनीकों से निकालकर सिस्टम थिंकिंग और एनर्जी ट्रांजिशन के इर्द-गिर्द बनाना होगा। हमें लचीलेपन और बहु-विषयकता को बढ़ावा देना चाहिए। एक छात्र बीकाम के साथ डाटा एनालिटिक्स पढ़ सके, बीए के साथ कोडिंग सीख सके, विज्ञान के साथ उद्यमिता का प्रोजेक्ट कर सके।

एनईपी का मेजर-माइनर सिस्टम इसी सोच से आया है। दीवारें तोड़कर वातायन बनाने होंगे। कला, वाणिज्य, विज्ञान के पुराने खांचे अब काम नहीं आएंगे। समाज, उद्योग और बाजार के साथ सहवर्ती संबंध और निरंतर संवाद होना चाहिए। पाठ्यक्रम बंद कमरे में नहीं बनने चाहिए। टीसीएस, इन्फोसिस, एमएसएमई, स्टार्टअप इकोसिस्टम और क्षेत्रीय उद्योगों को बोर्ड आफ स्टडीज में जगह मिलनी चाहिए। इंटर्नशिप दो माह की औपचारिकता न होकर छह माह की परियोजना होनी चाहिए।

ध्यानाभ्यास के द्वारा जीवन के वो सभी रहस्य जो मानवता को उलझाए हुए हैं, सुलझ जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई पर सवाल

एक स्वस्थ लोकतंत्र में जनता को किसी मसले पर शांतिपूर्ण विरोध और असहमति जाहिर करने का अधिकार होता है और सरकार को इसे सकारात्मक नजरिए से देखना चाहिए। जब भी जनता के किसी हिस्से में सरकार के रुख की वजह से असंतोष पैदा हो, तो यह जिम्मेदारी सरकार की ही होती है कि वह संवाद के जरिए समस्या का समाधान निकाले। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि अगर सरकार की उदासीनता की वजह से लोग अपनी बात कहने सड़क पर उतरें, तो उन्हें रोकने के लिए बातचीत की गुंजाइश निकालने के बजाय दमन का रास्ता अख्तियार किया जाए। नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जब विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की, तो सरकार के पास वक्त था कि वह संवाद के जरिए एक आदर्श समाधान सामने रखे।

अगर इस दौरान स्थिति बिगड़ने की आशंका होती, तो उसे नियंत्रित करने के लिए भी हर वह विकल्प आजमाए जाने चाहिए थे, जिससे प्रदर्शन बेलगाम न हो और न ही पुलिस को हिंसक बलप्रयोग करने की जरूरत पड़े। मगर अपनी मांगों के साथ 'संसद मार्च' का आह्वान करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, उससे यह सवाल उठा है कि सरकार देश के लोकतांत्रिक

ढांचे और जनता के संवैधानिक अधिकारों को कैसे देखती है।

गौरतलब है कि नीट प्रश्नपत्र लीक होने पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ दिल्ली में प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया था। मगर इस क्रम में ज्यादा गंभीर आरोप यह सामने आया कि आंदोलनकारियों पर पुलिस की ओर से पेलेट गन भी चलाया गया। वहीं पुलिस के इस रवैये के विरोध में जब देश के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन शुरू हुए, तो वहां भी गैरजरूरी तरीके से आक्रामक रुख अख्तियार किया गया।

एक अन्य आरोप के मुताबिक, बिहार के सिवान में एक पुलिसकर्मी ने एके-47 राइफल से विद्यार्थियों पर गोलियां चलाईं। सवाल है कि महज प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर अपना विरोध जताने वालों के खिलाफ घातक हथियार चलाने की हद तक जाकर पुलिस आखिर क्या संदेश देना चाहती है। क्या ऐसे आरोपों के बाद अनिवार्यता की दलील पर विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसे बर्ताव को उचित ठहराया जा सकता है?

यों आज के दौर में अमूमन हर सार्वजनिक गतिविधि की जीवंत तस्वीरें बहुत कुछ बयान कर जाती हैं, लेकिन अगर इस तरह के आरोप भी लगे, तो क्या यह संविधान और देश के लोकतांत्रिक ढांचे के प्रति सरकार की वचनबद्धता पर सवालिया निशान नहीं हैं? कायदे से अपनी लोकतांत्रिक और संवैधानिक जिम्मेदारियों को लेकर सरकार को खुद सजग रहना चाहिए था।

मगर विचित्र है कि यह सुप्रीम कोर्ट को याद दिलाना पड़ रहा है कि शांतिपूर्ण और कानूनसम्मत प्रदर्शन का अधिकार संविधान के हाथों संरक्षित है और केवल आंदोलन करने के आधार पर लाठीचार्ज को सही नहीं ठहराया जा सकता। आंदोलन खत्म होने के बाद कई जगहों से ऐसी खबरें आईं कि हिंसा में शामिल होने का आरोप लगा कर कई विद्यार्थियों को गिरफ्तार किया जा रहा है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यह आंदोलनकारियों से किए गए वादे से सरकार के मुकरने की तरह है, जिसमें यह आश्वासन दिया गया था कि विद्यार्थियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह बेवजह नहीं है कि विपक्ष को यह आरोप लगाने का मौका मिला है कि पूरा तंत्र विद्यार्थियों के खिलाफ जानलेवा तरीके से खड़ा है।

क्या आप जानते हैं भारत की सबसे छोटी नदी का नाम?

जरा हट के

क्या आप जानते हैं कि देश में एक ऐसी नदी भी है, जिसकी लंबाई महज 45 किलोमीटर है? आकार में छोटी होने के बावजूद यह नदी अपने इतिहास, पर्यावरण और पुनर्जीवन की प्रेरणादायक कहानी के कारण बेहद खास मानी जाती है.

राजस्थान के अलवर जिले में बहने वाली अरवरी नदी को भारत की सबसे छोटी नदियों में गिना जाता है. यह नदी अरावली पर्वतमाला से निकलती है और आगे चलकर सरसा नदी में मिल जाती है. अरवरी कोई बारहमासी नदी नहीं है, बल्कि यह वर्षा पर निर्भर करती है. मानसून के दौरान इसमें पानी भर जाता है और आसपास का इलाका हरियाली से खिल उठता है, जबकि गर्मियों में इसका बहाव काफी कम हो जाता है.

हालांकि लंबाई के लिहाज से यह नदी छोटी है, लेकिन आसपास के गांवों के लिए इसकी अहमियत बहुत बड़ी है.

अरवरी नदी खेतों की सिंचाई, भूजल स्तर को बनाए रखने और स्थानीय लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. यही वजह है कि इसे इस क्षेत्र की जीवनरेखा भी कहा जाता है.

अरवरी नदी की सबसे खास बात इसका पुनर्जीवन है. करीब तीन दशक पहले यह नदी लगभग सूख चुकी थी. लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने हार नहीं मानी. उन्होंने पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली 'जोहड़' का सहारा लिया और कई छोटे-छोटे मिट्टी के बांध बनाए. इन संरचनाओं ने वर्षा जल को रोकने और भूजल को फिर से रिचार्ज करने में बड़ी भूमिका निभाई. धीरे-धीरे इसका असर दिखाई देने लगा और वर्षों से सूखी पड़ी अरवरी नदी में फिर से पानी बहने लगा.

अगर आप राजस्थान की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो अरवरी नदी के आसपास का इलाका भी आपकी सूची में शामिल हो सकता है. यहां आपको ग्रामीण जीवन की सादगी, अरावली की शांत पहाड़ियां और प्रकृति के बीच सुकून भरा माहौल देखने को मिलेगा. इसके साथ ही सरिस्का टाइगर रिजर्व, भानगढ़ किला, सिलीसेढ़ झील और अलवर सिटी पैलेस जैसी प्रसिद्ध जगहें भी पास में मौजूद हैं.

खाना-खजाना

बॉम्बे-कराची हलवा

सामग्री

- कॉर्नफ्लोरः आधा कप
- चीनीः डेढ़ कप
- पानीः 2 कप
- देसी घीः एक चौथाई कप
- नींबू का रसः 1 छोटी चम्मच
- फूड कलरः 2 चुटकी
- कटे हुए मेवेः 2-3 बड़े चम्मच
- इलायची पाउडरः आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में आधा कप कॉर्नफ्लोर लें और उसमें 1 कप पानी डालकर चम्मच से अच्छी तरह मिला लें। अब गैस पर एक भारी तले वाली कड़ाही रखें। इसमें डेढ़ कप चीनी और बचा हुआ 1 कप पानी डालें। गैस की आंच मध्यम रखें और चीनी को पानी में पूरी तरह घुलने दें। जैसे ही चाशनी उबलने लगे, उसमें 1 चम्मच नींबू का रस डाल दें। अब गैस की आंच को

बिल्कुल धीमा कर दें। कॉर्नफ्लोर वाले घोल को एक बार चम्मच से चलाएं और फिर धीरे-धीरे कड़ाही में डालते जाएं। दूसरे हाथ से इसे लगातार चलाते रहें ताकि कोई गांठ न पड़े।

कुछ ही मिनटों में आप देखेंगे कि मिश्रण गाढ़ा और जेली की तरह पारदर्शी होने लगा है। इस समय इसे लगातार चलाना बहुत जरूरी है, वरना यह तले में चिपक कर जल सकता है।

जब हलवा गाढ़ा होने लगे, तो इसमें एक-एक चम्मच करके देसी घी डालना शुरू करें। एक चम्मच घी डालें, उसे हलवे में पूरी तरह मिक्स होने दें और फिर दूसरा चम्मच डालें। जब हलवा सारा घी सोख ले, तब इसमें थोड़े से पानी में घोलकर अपना मनपसंद फूड कलर डाल दें। साथ ही, इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब मिश्रण कड़ाही के किनारे छोड़ने लगे और एक जगह इकट्ठा होने लगे, तो गैस बंद कर दें। एक थाली या ट्रे में पहले से थोड़ा-सा घी लगाकर उसे चिकना कर लें। अब इस गरमागरम मिश्रण को ट्रे में निकालकर बराबर फैला दें। ऊपर से थोड़े और ड्राई फ्रूट्स सजा दें। इसे 2 से 3 घंटे के लिए कमरे के तापमान पर सेट होने के लिए छोड़ दें। जब यह अच्छे से सेट हो जाए, तो चाकू से अपने मनचाहे आकार के चौकोर टुकड़ों में काट लें।

क्या छूने या साथ खाने से फैलता है हेपेटाइटिस-बी?

दूर कर लें इस बीमारी से जुड़े आम मिथक

लिवर की सबसे गंभीर बीमारियों में हेपेटाइटिस-बी भी शामिल है। यह एक वायल इन्फेक्शन होता है, जो हेपेटाइटिस-बी वायरस के कारण होता है। इस इन्फेक्शन से लाखों लोग जूझ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद इसे लेकर आज भी लोगों में जागरुकता की कमी है। इसलिए आज वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे के मौके पर आइए हेपेटाइटिस-बी से जुड़े कुछ मिथकों की सच्चाई जानते हैं। इन मिथकों को दूर करना मरीज की जिंदगी और इलाज, दोनों के लिए काफी जरूरी हैं। आइए जानें हेपेटाइटिस-बी से जुड़े कुछ मिथक और उनकी सच्चाई।

मिथक 1- छूने या हाथ मिलाने से हेपेटाइटिस-बी फैलता है।

सच्चाई- ये बहुत आम मिथक है, लेकिन इसमें बिल्कुल सच्चाई नहीं है। हेपेटाइटिस व्यक्ति को छूने से, हाथ मिलाने, गले लगने, चूमने, खांसने या छींकने से फैलने वाली बीमारी नहीं है। यह वायरस ब्लड, अनसेफ सेक्स या पहले से इस्तेमाल हुई सुई से फैलता है। अगर कोई व्यक्ति हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित है, तो उसे छूने से बचना या उसे अलग-थलग कर देना गलत है।

मिथक 2- हेपेटाइटिस-बी हमेशा जानलेवा होता है।

सच्चाई- यह भी बहुत आम मिथक है और ज्यादातर लोग मानते हैं कि हेपेटाइटिस-बी जानलेवा होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। सही इलाज और लाइफस्टाइल की मदद से हेपेटाइटिस-बी को अच्छी तरह से कंट्रोल किया जा सकता है। ये जानलेवा तब बनता है, जब व्यक्ति सही इलाज न ले या शराब और तंबाकू का खूब इस्तेमाल करता हो। सही लाइफस्टाइल और दवाओं की मदद से इसे मैनेज किया जा सकता है।

मिथक 3- ब्रेस्टफीड करवाने से मां से बच्चे को हेपेटाइटिस-बी हो सकता है।

सच्चाई- ऐसा बिल्कुल नहीं है। मां के दूध से बच्चे में हेपेटाइटिस नहीं फैलता। हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव मां अपने शिशु को सुरक्षित तरीके से ब्रेस्ट फीड करवा सकती है। हालांकि, अगर निपल्स में क्रैक आ गया है या ब्लीडिंग हो रही है, तो उस समय ब्रेस्ट फीड न करवाएं। साथ ही, बच्चे को जन्म के बाद हेपेटाइटिस-बी का टीका लग जाता है, जिससे इन्फेक्शन का खतरा कम हो जाता है।

मिथक 4- साथ में खाने-पीने या बर्तन शेयर करने से हेपेटाइटिस-बी फैलता है।

सच्चाई- कई लोग हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव व्यक्ति के साथ खाना या पानी शेयर करने में संकोच करते हैं, लेकिन इससे हेपेटाइटिस नहीं फैलता। मरीज के साथ खाना खाने, पानी पीने या एक ही बर्तन का इस्तेमाल करने ले इन्फेक्शन का कोई खतरा नहीं होता।

मिथक 5- हेपेटाइटिस-बी की वैक्सीन से लिवर कैंसर का बचाव नहीं होता।

सच्चाई- यह एक खतरनाक मिथक है। हेपेटाइटिस-बी की वैक्सीन सिर्फ हेपेटाइटिस-बी वायरस से आपको बचाती है, वो भी अगर आप पहले से इन्फेक्टेड नहीं हैं तो। अगर व्यक्ति शराब पीता है या किसी दूसरे कारण से भी लिवर कैंसर हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

वृषभ : व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन : नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रमाद न करें।

कर्क : व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे।

सिंह : राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

कन्या : व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।

तुला : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक : प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

धनु : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर : आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

कुंभ : कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धनार्जन होगा।

मीन : नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

असली और नकली खजूर में क्या होता है अंतर?

खजूर प्राकृतिक रूप से फाइबर, आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत माना जाता है. यही वजह है कि इसे ऊर्जा देने वाला सुपरफूड भी कहा जाता है. लेकिन कई बार खजूर को ज्यादा आकर्षक दिखाने के लिए उस पर कृत्रिम रंग, ग्लिसरीन या वैक्स जैसी परत चढ़ा दी जाती है. ऐसे उत्पाद लंबे समय तक सुरक्षित दिखते हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता पर सवाल उठ सकते हैं. अगर खरीदारी के दौरान थोड़ी सतर्कता बरती जाए तो असली और नकली खजूर में फर्क करना मुश्किल नहीं है.

रंग और चमक से करें पहली पहचान बहुत ज्यादा चमकदार खजूर से रहें सावधानः असली खजूर का रंग हल्के भूरे से गहरे भूरे तक हो सकता है. इसकी सतह सामान्य तौर पर मैट यानी बिना ज्यादा चमक वाली होती है. वहीं नकली या कृत्रिम रूप से कोटिंग किए गए खजूर असामान्य रूप से चमकदार, चिकने और कई बार चिपचिपे महसूस होते हैं. अगर किसी दुकान पर सभी खजूर एक जैसे चमकदार दिख रहे हों, तो उन्हें खरीदने से पहले ध्यान से जांच लेना बेहतर रहेगा.

बनावट और स्वाद भी बताते हैं सच्चाई प्राकृतिक मिठास ही होती है असली पहचानः असली खजूर हल्के नरम होते हैं और चबाने पर उनकी प्राकृतिक मिठास धीरे-धीरे महसूस होती है. दूसरी ओर, नकली या

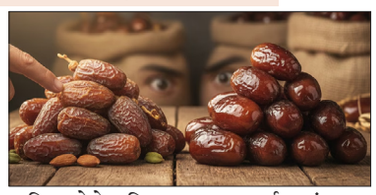

अधिक प्रोसेस किए गए खजूर कई बार जरूरत से ज्यादा सख्त होते हैं या उनमें मिठास कृत्रिम लगती है. घर में बच्चों या बुजुर्गों के लिए खजूर खरीदते समय इसकी बनावट पर जरूर ध्यान दें, क्योंकि प्राकृतिक खजूर आसानी से चबाए जा सकते हैं.

खुशबू से भी पहचान सकते हैं असली खजूरः असली खजूर में हल्की और प्राकृतिक मीठी खुशबू होती है. यदि खजूर से तेज केमिकल जैसी गंध या अजीब महक आए तो यह संकेत हो सकता है कि उस पर किसी प्रकार की कृत्रिम प्रक्रिया की गई है. विशेषज्ञ भी सलाह देते हैं कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी गंध पर ध्यान देना एक अच्छी आदत है.

पानी वाला आसान टेस्ट घर पर करें कुछ मिनटों में मिल सकता है जवाबः अगर आपको किसी खजूर की गुणवत्ता पर संदेह है, तो घर पर एक आसान टेस्ट किया जा सकता है. कुछ खजूर साफ पानी में डाल दें. यदि उन पर लगी कृत्रिम रंग या कोटिंग पानी में उतरने लगे या पानी का रंग बदलने लगे, तो ऐसे खजूर से बचना बेहतर है. हालांकि यह तरीका हर स्थिति में अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता, लेकिन शुरुआती जांच के लिए उपयोगी हो सकता है.

असली खजूर खाने के फायदे प्राकृतिक खजूर शरीर को जल्दी ऊर्जा देने में मदद करते हैं. इनमें मौजूद फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक होता है. साथ ही आयरन, पोटैशियम और अन्य मिनरल्स शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं. संतुलित मात्रा में खजूर खाना हेल्दी डाइट का हिस्सा बन सकता है.

बरसात में घर की छत टपकने लगी है?

एक्सपर्ट के ये उपाय दूर करेंगे सीलन और लीकेज की समस्या

बरसात के मौसम में अक्सर घरों में सीलन और पानी के लीकेज (रिसाव) की समस्या देखने को मिलती है. इससे न सिर्फ घर की दीवारें और छत खराब होती हैं, बल्कि लोग भी काफी परेशान रहते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून के दौरान ज्यादातर लोग इस समस्या से जूझते हैं.

शुरुआती लापरवाही बनती है बड़ी वजह

विशेषज्ञों का कहना है कि सीलन और लीकेज की सबसे बड़ी वजह मकान बनते समय की गई लापरवाही होती है. जब मकान का ढांचा (स्ट्रक्चर) खड़ा होता है और नींव भरी जाती है, उस समय विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. यदि नींव भरने या स्ट्रक्चर में थोड़ी सी भी ऊंच-नीच या गड़बड़ी रह जाती है, तो आगे चलकर मकान की दीवारों और छतों में क्रैक (दरारें) आ जाते हैं.

कैसे करें इस समस्या का समाधान?

अगर आपके घर में भी सीलन या दरारें आ गई हैं, तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। एक्सपर्ट्स ने इसके लिए आसान और प्रभावी उपाय बताए हैंः

1. छोटी-मोटी दरारों और सीलन के लिए

अगर छत या दीवारों पर हल्की-फुल्की दरारें हैं जिनसे सीलन आ रही है, तो बाजार में कई तरह के डैम्प प्रूफ उत्पाद उपलब्ध हैं. इनका 1-2 कोट लगाने से ही लीकेज और सीलन की समस्या से तुरंत राहत मिल जाती है.

2. बड़ी और गहरी दरारों के लिए क्या करें

यदि मकान में ज्यादा या बड़ी दरारें आ गई हैं, तो इन्हें सिर्फ डैम्प प्रूफ से ठीक नहीं किया जा सकता. इसके लिए सीमेंट और बजरी (मसाले) के साथ सही अनुपात में डैम्प प्रूफ केमिकल मिलाकर दरारों को भरना होता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें -सुप्रीम कोर्ट

- छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था
- जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर पहले दिए गए दिशा-निर्देशों को अब अपडेट करने का समय आ गया है। 2018 में बने नियम 2026 में कितने कारगर हैं, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए, ताकि प्रदर्शन शुरू होते ही पुलिस के तय प्रोटोकॉल तुरंत लागू हो सकें।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

सुप्रीम कोर्ट के 4 अंतरिम आदेश

- 18 साल से कम उम्र के जिन प्रदर्शनकारियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।
- पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होगी, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों की जवाबदेही तय होगी।
- प्रदर्शन से जुड़े CCTV, ड्रोन, बॉडी कैमरा और दूसरे डिजिटल सबूत सुरक्षित रखे जाएं।
- दिल्ली समेत 8 राज्यों से जवाब मांगा गया, जिन लोगों पर पहले कोई केस नहीं था, उनके खिलाफ फिलहाल कोई सख्त कार्रवाई नहीं होगी।

सभी प्रदर्शनकारियों की FIR वापस होंगी -CJP

- रात 1 बजे वीडियो जारी कर बताया- सरकार से बात हुई, हर प्रोटेस्टर सुरक्षित रहेगा

नई दिल्ली. कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारियों की FIR वापस होंगी। CJP प्रवक्ता सौरव दास और रत्ना ने सोमवार रात एक बजे वीडियो जारी कर यह जानकारी दी।

सौरव ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधि (दिल्ली पुलिस के अफसर) मिलने आए थे। हमने उन्हें बताया कि आशंका है कि सरकार ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं होंगे। उन्होंने बिहार सरकार के गृह विभाग की प्रेस रिलीज दिखाई। इसमें लिखा है कि सभी प्रोटेस्टर्स की FIR वापस ली जाएंगी और भविष्य में भी कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा।

हमारी आशंका थी कि प्रदर्शनकारियों को किसी राज्य में नुकसान पहुंचाया जा सकता है। सरकार ने हमें गारंटी दी है कि ऐसा न हो, इसलिए इसका एक नोटिफिकेशन निकाला जाएगा, ताकि प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहें। भविष्य में भी उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा।

खबरें गांव की...

यूपी में विधायक निवास की 7वीं मंजिल से गिरने से पूर्व मंत्री नानकदीन की मौत

लखनऊ. लखनऊ के लालबाग में नए विधायक निवास की 7वीं मंजिल से गिरकर पूर्व मंत्री नानकदीन भुर्जी की दर्दनाक मौत हो गई है। नानकदीन भुर्जी को विधायक निवास से नीचे गिरा पाए जाने पर आनन-फानन में सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नानकदीन भुर्जी किन परिस्थितियों में विधायक निवास की सातवीं मंजिल से नीचे गिरे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हुए हैं। घटना की जांच-पड़ताल की जा रही है। नानकदीन भुर्जी वर्तमान में भाजपा के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पदाधिकारी थे। विधायक निवास से यूं उनके गिरने के बारे में पता चलते ही परिवारीजनों, करीबियों और समर्थकों में हड़कंप मच गया।

ज्वेलर के इकलौते बेटे की हत्या, पड़ोसी के बेसमेंट में मिली लाश

गोरखपुर. गोरखपुर में एक ज्वेलर के 10 साल के इकलौते बेटे वैभव वर्मा की हत्या कर दी गई है। बच्चा, सोमवार को अचानक लापता हो गया था। मंगलवार को उसकी लाश पड़ोसी के घर के बेसमेंट में मिली। पुलिस ने इस मामले में पड़ोसी सर्वेश भट्ट को गिरफ्तार कर लिया है। घटना, गोरखपुर के खजनी इलाके की है। वैभव वर्मा, कस्बे के ज्वेलर हनुमान वर्मा का सबसे छोटा बेटा था। सोमवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे के आसपास वह स्कूल से घर लौटा था। उसने घर आते ही अपना स्कूल बैग एक जगह रखा, यूनिफॉर्म बदली और फिर अपनी नई साइकिल लेकर घर से बाहर निकल गया। कुछ देर बाद ही उसकी साइकिल लावारिस हालत में मिली। परिवारवाले वैभव को खोजने लगे। उन्होंने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने सर्वेश को पकड़ लिया। उससे पूछताछ की गई। शक के आधार पर सर्वेश के घर की तलाशी ली गई तो घर के बेसमेंट से वैभव वर्मा की लाश मिली।

शादी के पांचवें दिन ही पत्नी प्रेमी के साथ फरार

आगरा. आगरा में एक युवक के साथ हनीमून से पहले ही खेला हो गया है। शादी के पांचवें ही दिन पत्नी बीच रास्ते पति को चकमा देकर प्रेमी के साथ फरार हो गई है। अचानक हुई घटना से पति हैरान-परेशान हो गया। फिर आसपास के लोगों ने बताया कि एक कार में बैठकर किसी के साथ उसकी पत्नी निकल गई है। खुद को किसी तरह संभालते हुए पिनाहट पुलिस स्टेशन पहुंचा और पत्नी के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर में बताया कि पत्नी अपने साथ सोने-चांदी के आभूषण और नौ हजार रुपए भी ले गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। विवाहिता के मायके वालों से भी संपर्क साधा जा रहा है।

जिन्न का हुक्म था, कर दी हत्या!

बरेली. उत्तर प्रदेश के बरेली में एक व्यापारी की दिन-दहाड़े व्यापारी की हत्या के बाद आरोपी ने हैरान करने वाली 'भूतिया कहानी' सुनाई है। आरोपी का कहना है कि उसके कान में जिन्न की आवाज आती है। घटना वाली सुबह वह कार से जा रहा था तभी जिन्न ने कहा कि सामने वाले शख्स को मार डालो। इसके बाद उसने पहले कार से ही पीड़ित को कुचलने की कशिश की। घायल होने के बाद उसने कांच के टुकड़ों से सीने और गर्दन पर वार किया और 65 साल के व्यापारी की हत्या कर दी। इस दर्दनाक हत्या को अंजाम देने वाले की उम्र केवल 19 साल है। उसका नाम मोहम्मद अरमान है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके कान में किसी की आवाज आती रहती है। यह किसी जिन्न की आवाज है।

CJP प्रोटेस्ट में खाना खिलाने वाले जुनैद पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

- बोले- पुलिस ने 6 घंटे हिरासत में रखा, परिवार को परेशान कर रही

नई दिल्ली. CJP के जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों को खाना खिलाने वाले वालंटियर जुनैद मलिक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें रास्ते से उठाकर करीब 6 घंटे तक हिरासत में रखा, धमकाया और बाद में देहरादून रोड़ पर सुनसान जगह पर छोड़ दिया। जुनैद का कहना है कि पुलिस ने उनके परिवार को भी बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए परेशान किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से परिवार के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने और पूरे मामले की कानून के मुताबिक जांच कराने की मांग की है। याचिका के मुताबिक, 24 जुलाई की आधी रात को जुनैद मलिक एंटी-रेबीज का इंजेक्शन लगवाकर आरएमएल अस्पताल से लौट रहे थे। तभी पुलिस ने उसे उठा लिया और उनका मोबाइल फोन जबरन लेकर अनलॉक कराया गया और उसकी जांच की गई।

उनसे पूछा गया कि उन्हें फंडिंग कौन करता है और खाने की व्यवस्था के लिए पैसा कहां से आता है। याचिका में दावा किया गया है कि इसके बाद पुलिस उन्हें देहरादून रोड पर एक सुनसान जगह छोड़कर चली गई। वहां से जुनैद कैब लेकर दिल्ली वापस आए।

- पुलिस ने जुनैद के पिता को हिरासत में लिया था

जुनैद मलिक ने यह भी आरोप लगाया है कि गाजियाबाद पुलिस ने उनके पिता को हिरासत में लिया और उनके घर पर छापा मारा। याचिका के मुताबिक, पुलिस उनकी विवाहित बहन के मेरठ स्थित ससुराल भी पहुंची और उनके ससुर और देवर को भी अपने साथ ले गई। बाद में सभी परिवार के सदस्यों को छोड़ दिया गया।

- जुनैद बोले- आगे की कार्रवाई से रोका जाए

सुप्रीम कोर्ट से जुनैद ने मांग की है कि पुलिस को उनके परिवार के खिलाफ किसी भी तरह की आगे की कार्रवाई से रोका जाए और यदि कोई जांच हो तो वह पूरी तरह कानून के अनुसार की जाए।

कपिल सिब्बल कॉकरोच जनता पार्टी को देंगे 1 करोड़

- छात्रों को कानूनी मदद के लिए CJP फंड में योगदान
- देशभर के वकीलों से भी मदद मांगी

नई दिल्ली. सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बनाए गए फंड में एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। उन्होंने देशभर के वकीलों से भी इस फंड में योगदान देने की अपील की है। CJP ने यह फंड आपराधिक मामलों का सामना कर रहे स्टूडेंट्स की लीगल मदद के लिए बनाया है।

CJP के प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार को कहा कि केंद्र के आश्वासन के बावजूद देशभर में छात्रों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाने की आशंका है। उन्होंने बताया कि दर्ज मामलों में छात्रों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए CJP सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के संपर्क में है। इस मौके पर उनके साथ कपिल सिब्बल भी मौजूद थे।

सिब्बल ने कहा- मेरी ओर से मैंने एक करोड़ रुपए का योगदान दिया है। मैं देशभर के वकीलों से भी अपील करता हूं कि वे इस फंड में सहयोग करें, ताकि प्रभावित लोगों की मदद की जा सके। हमारे वकील कानून के कथित दुरुपयोग से प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं।

जहां भी भारत में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए हैं, चाहे वह बिहार, असम, पश्चिम बंगाल या महाराष्ट्र हो, और जहां छात्रों या प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाया गया है। वहां दर्ज मामलों पर नजर रखने के लिए एक व्यवस्था बनाई जाएगी, ताकि हमारे वकील उन्हें कानूनी सहायता दे सकें।

छात्रों की जानकारी के लिए बनेगी वेबसाइट

कपिल सिब्बल ने बताया कि CJP एक वेबसाइट बनाएगी, जिसमें उन छात्रों का विवरण होगा जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यह वेबसाइट उन वकीलों को भी जुड़ने का मौका देगी, जो मुफ्त या अन्य तरीके से मदद करना चाहते हैं।

जापान के कुमामोटो में 6.8 तीव्रता का भूकंप

- 40 से ज्यादा घायल
- सड़कें उखड़ीं, दीवारें गिरीं, 48 हजार घरों की बिजली कटी

जापान के दक्षिणी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का भूकंप आया है। इससे पहले भूकंप की तीव्रता 7.1 बताई गई थी। जापान मौसम एजेंसी (JMA) के मुताबिक भूकंप का केंद्र कुमामोटो के तटीय शहर उटो के पास 10 किमी की गहराई में था।

शुरुआती झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे बाद में वापस ले लिया गया।

रॉयटर्स के मुताबिक, भूकंप के झटकों में अब तक 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। साथ ही, 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि बिजली बहाल करने का काम जारी है।

भूकंप के कारण कई इलाकों में सड़कों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गईं। कई जगह आग लगने और लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। राहत और बचाव दल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जापान मौसम एजेंसी (JMA) ने लोगों को आगाह किया है कि अगले कुछ दिनों तक आफ्टरशॉक आ सकते हैं। इसलिए प्रभावित इलाकों में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

जापान में भूकंप से कम नुकसान क्यों होता है?

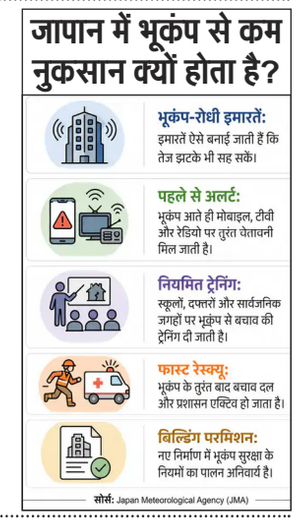

ईरान ने होर्मुज के मुद्दे पर सऊदी-ओमान से बात की

- कहा- अमेरिकी हमलों से क्षेत्र में तनाव बढ़ा, मिलकर हालात संभालेंगे

तेहरान. ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव को लेकर सऊदी अरब और ओमान से बातचीत की है। ईरान का कहना है कि अमेरिकी हमलों के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है, इसलिए अब मिलकर हालात संभालने की जरूरत है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से अलग-अलग फोन पर बात की। बातचीत में क्षेत्र के ताजा हालात और दोनों देशों के साथ रिश्तों पर चर्चा हुई। ईरानी सरकारी समाचार एजेंसी IRNA के मुताबिक, तीनों देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाने और कूटनीतिक कोशिशें तेज करने पर जोर दिया, ताकि इलाके में फिर से स्थिरता लाई जा सके।

इराक में गैसफील्ड पर हमला, अमेरिकी ड्रोन गिराने का भी दावा: ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि उत्तरी इराक के सबसे बड़े खोर मोर गैसफील्ड पर हमला हुआ है। वहीं एरबिल के पास चार संदिग्ध ईरानी ड्रोन गिरने और पश्चिमी इराक में एक अमेरिकी ड्रोन मार गिराने का भी दावा किया गया है।

राजस्थान के युवक ने आतंकी को दिया ओटीपी

- पाकिस्तान में सिम एक्टिव होते ही ATS ने घर से पकड़ा
- टेररिस्ट शहजाद भट्टी गैंग से जुड़ा

बीकानेर. बीकानेर पुलिस ने पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी के गुर्गे को इंडियन सिम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। जयपुर की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड (ATS) के सूत्रों के अनुसार बज्जू थाना क्षेत्र के गौड़ू गांव का रहने वाला अनिल कुमार (22) लंबे समय से आतंकी के गुर्गे उज्जेर से संपर्क में था।

उसने 17 जुलाई को इंडियन सिम को पाकिस्तान में एक्टिवेट करने से लिए वन टाइम पासवर्ड (OTP) आतंकी के साथ शेयर किया था।

इसके बाद एटीएस की टीम ने 18 जुलाई को उसे घर से हिरासत में ले लिया। एक दिन पूछताछ के बाद उसे 19 जुलाई को लोकल पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया है।

पिता ने बताया - उनका परिवार चक 3 जीएम (घेरा माइनर) की एक ढाणी में रहता है। 18 जुलाई को सादा कपड़ों में दो लोग घर आए और खुद को ईडी (ED) का अधिकारी बताया।

अनिल मेरे और बहन के साथ खेत में काम कर रहा था। दोनों ने कहा - जांच में अनिल का नाम आया है और उससे कुछ पूछताछ करनी है।

Meta ने मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

- कहा- तकनीकी गड़बड़ी से हटा
- PM ने 23 जुलाई को छात्रों को मैसेज दिया था

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था।

इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था।

इधर, न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय (MeitY) ने Meta (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरा गोल्ड शर्मिला धनखड़ ने शॉट पुट में मेडल जीता

हाई जंप में सिल्वर जीतने वाले सर्वेश कुशारे पहले भारतीय

भारत की शर्मिला धनकड़ ने सोमवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के पैरा शॉट पुट F57 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 9.81 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर यह उपलब्धि हासिल की।

इसी इवेंट में भारत की शिल्पा के. शायला ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह मौजूदा खेलों में भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। शर्मिला से पहले रविवार को वेटलिफ्टिंग में मीरा बाई चानू ने 48 KG में गोल्ड जीता था। F57 कैटेगरी में उन पैरा एथलीट्स को शामिल किया जाता है, जिनके निचले अंग प्रभावित होते हैं या जिनकी मांसपेशियों की ताकत कम होती है।

भारत के मेडल टैली में कुल 10 मेडल हो गए हैं और टीम आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 26 गोल्ड सहित 59 मेडल के साथ पहले स्थान पर है। अन्य इवेंट्स में हाई जंप में सर्वेश कुशारे और वेटलिफ्टिंग के 79 किलोग्राम वर्ग में अजय बाबू ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं, बिंदियारानी देवी ने 58 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, जबकि ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता।

शर्मिला धनखड़ ने घर बेचकर शुरू की ट्रेनिंग

शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के चित्रौली गांव की रहने वाली हैं। 2 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हो गई थीं, जिससे उनका एक पैर प्रभावित हो गया। पिता छोटे किसान थे और मां दृष्टिबाधित हैं। बेहतर इलाज नहीं हो सका। आर्थिक तंगी के बीच कम उम्र में उनकी शादी कर दी गई। शर्मिला के लिए पैरा एथलेटिक्स का सफर आसान नहीं था। 34 साल की उम्र में उन्होंने कोच टेकचंद और देवेंद्र के मार्गदर्शन में F57 कैटेगरी के सीटेड शॉट पुट इवेंट की ट्रेनिंग शुरू की। आर्थिक तंगी इतनी थी कि 2023 में ट्रेनिंग का खर्च जुटाने के लिए उन्होंने अपना घर बेच दिया। इसके बाद परिवार किराए के मकान में रहने लगा, लेकिन शर्मिला ने अभ्यास नहीं छोड़ा।

शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के चित्रौली गांव की रहने वाली हैं। 2 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हो गई थीं, जिससे उनका एक पैर प्रभावित हो गया।

भारत बना मेडिकल टूरिज्म का हब

- 16 साल में विदेशी मरीज 4.5 गुना बढ़े
- 1.5 लाख करोड़ का होगा बाजार

नई दिल्ली. भारत अब सिर्फ सस्ते इलाज का ठिकाना नहीं, बल्कि मेडिकल टूरिज्म का बड़ा वैश्विक केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। 2009 में जहां 1.12 लाख विदेशी मरीज इलाज के लिए भारत आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 5.07 लाख हो गई। यानी 16 साल में विदेशी मरीजों की संख्या करीब 4.5 गुना बढ़ी।

इनमें बांग्लादेश इराक, उज्बेकिस्तान, सोमालिया, ओमान और केन्या से बड़ी संख्या में मरीज भारत पहुंचे। भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 2025 में 84 हजार करोड़ रुपए का था। अनुमान है कि 2030 तक यह बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा।

- भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना

इस बढ़त की वजह सिर्फ कम खर्च नहीं है। इसकी बड़ी वजह भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना है। इसके अलावा जांच रिपोर्ट्स का तुरंत आना और इलाज का खर्च पहले से तय हो जाना भी विदेशी मरीजों को लुभा रहा है। अमेरिका में जिस इलाज पर 15 हजार रुपए खर्च होते हैं, वही भारत में 1,000 से 2,000 रुपए में संभव है। नीदरलैंड्स में दांतों के सामान्य इलाज पर 16 हजार रुपए ज्यादा लगते हैं, जबकि लखनऊ में यही इलाज 3,000 रुपए में हो जाता है।

- भारत में 69 हजार अस्पताल

भारत के पास मेडिकल टूरिज्म संभालने के लिए बड़ा हेल्थ इंफ्रा भी मौजूद है। देश में कुल 69,364 अस्पताल हैं। इनमें 43,486 निजी (करीब 66%) और 25,778 सरकारी अस्पताल हैं। 12 लाख रजिस्टर्ड डॉक्टर हैं। 1,299 अस्पतालों को एनएबीएच की मान्यता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निजी नेटवर्क भारत आने वाले विदेशी मरीजों को संभालने की क्षमता देता है।

- 172 देशों को भारत अब दे रहा ई-मेडिकल वीसा

ब्रिटिश नागरिक एंडरसन को अपने देश में न्यूरो परामर्श का वेटिंग पीरियड एक साल से ज्यादा था। भारत आने पर उन्हें अपॉइंटमेंट अगले दिन मिल गया। एमआरआई व ब्लड टेस्ट तुरंत हुए और रिपोर्ट भी घंटे भर में मिल गई।

संक्षेप...

3 साल से फरार हथियार सप्लायर गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच (यूनिट 6) ने 'महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम' (मकोका) के तहत दर्ज हत्या और अवैध हथियार आपूर्ति के मामले में पिछले 3 साल से फरार चल रहे कुख्यात आरोपी सुमित स्वस्तिक सावंत को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी अवैध आग्नेयास्त्र (हथियार) सप्लाई करने का काम करता था और पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी इस समय नवी मुंबई के खारघर क्षेत्र में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे सेक्टर 19, गीतांजलि ज्वेलर्स के पास, खारघर (नवी मुंबई) से हिरासत में ले लिया।

शरद पवार बोले- एनसीपी के दोनों गुट साथ नहीं आएंगे

- एक दिन पहले बेटी सुप्रिया अमित शाह से मिली थी

मुंबई. शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुटों के फिर से साथ आने का कोई सवाल ही नहीं है। एक दिन पहले NCP (शरद गुट) की सांसद सुप्रिया सुले और सांसद बजरंग सोनवणे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। यह मुलाकात सुप्रिया सुले की बेटी के रिसेप्शन का निमंत्रण देने के लिए हुई थी। इसके बाद चर्चा तेज हो गई कि शरद पवार गुट भाजपा के नेतृत्व वाले NDA में शामिल हो सकता है।

- गिरीश महाजन बोले- अभी कुछ नहीं कहा जा सकता

एनसीपी (शरद पवार) प्रमुख शरद पवार और पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात पर मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि शरद पवार और पीएम मोदी के बीच हुई मुलाकात में क्या बातचीत हुई, यह कोई नहीं जानता। फिलहाल सिर्फ अफवाहें और अटकलें हैं। इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

- 22 जुलाई को शरद पवार पीएम से मिले थे

इससे पहले 22 जुलाई को सुप्रिया सुले और शरद पवार पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। शरद पवार ने मोदी को एक पत्र भी सौंपा था। यह बैठक करीब 20 मिनट चली थी।

बैठक को लेकर शरद पवार ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट में कहा- NEET परीक्षा के पेपर लीक, इसके खिलाफ छात्रों के आंदोलन, आंदोलन के दौरान पुलिस के गलत व्यवहार और छात्रों पर दर्ज आपराधिक मामलों समेत कृषि क्षेत्र से जुड़े कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विस्तार से चर्चा हुई।

मिनी लोक अदालत में 149 एक्सीडेंट क्लेम निपटाए

- पीड़ितों को 17.80 करोड़ रुपये का मुआवजा

ठाणे. जिले में पहली बार आयोजित 'मिनी लोक अदालत' में 149 मोटर एक्सीडेंट मुआवजे के क्लेम निपटाए गए। इन क्लेम के सफल निपटारे के बाद, एक्सीडेंट पीड़ितों और मृतकों के वारिसों को 17 करोड़ 80 लाख 96 हजार रुपये का मुआवजा मंजूर किया गया। एक मामले में, मृतक के वारिसों को रिकॉर्ड 1 करोड़ 80 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। ठाणे डिस्ट्रिक्ट और सेशंस कोर्ट में आयोजित इस खास लोक अदालत के कारण पेंडिंग क्लेम का तेजी से निपटारा हुआ और पीड़ितों को राहत मिली।

राष्ट्रीय विधी सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और महाराष्ट्र राज्य विधी सेवा प्राधिकरण, मुंबई के गाइडेंस में, ठाणे जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष, जिला और सेशंस जज आर. डी. सावंत ने 'मिनी लोक अदालत' आयोजित की। ठाणे डिस्ट्रिक्ट और सेशंस कोर्ट में मोटर एक्सीडेंट क्लेम के केस निपटाए गए। इस मौके पर दो अलग-अलग पैनल बनाए गए थे।

149 मोटर एक्सीडेंट कम्पेनसेशन क्लेम के सफल सेटलमेंट के बाद वारिसों को कुल 17.80 करोड़ 96 हज़ार रुपये का कम्पेनसेशन मंज़ूर किया गया। पिछली नेशनल लोक अदालत 9 मई, 2026 को हुई थी, जबकि अगली नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर, 2026 को होगी। ठाणे डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी के सेक्रेटरी रवींद्र एस. पजंकर ने कहा कि इन दो लोक अदालतों के बीच चार महीने के गैप को देखते हुए, यह पहल इसलिए शुरू की गई ताकि यह पक्का हो सके कि एक्सीडेंट के शिकार लोगों को कम्पेनसेशन पाने के लिए और इंतज़ार न करना पड़े।

मोटर एक्सीडेंट के वारिसों को 1 करोड़ 80 लाख रुपये का मुआवजा

इस लोक अदालत में सबसे खास मोटर एक्सीडेंट केस में विजय कुमार (उम्र 36) के वारिसों को 1 करोड़ 80 लाख रुपये का मुआवजा मंजूर किया गया। विजय कुमार, जो मुंबई के टाटा मेमोरियल सेंटर में नर्सिंग डिपार्टमेंट में काम करते थे, मुंबई-गोवा हाईवे पर अंबेवाड़ी नाका (ता. रोहा, जिला रायगढ़) पर एक तेज रफ्तार ट्रेलर से टक्कर में मारे गए थे। जज आर. वी. मोहिते की कोर्ट में केस का निपटारा डिस्ट्रिक्ट जज डी. बी. माने की गाइडेंस में हुआ। इसके बाद, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की तरफ से 1 करोड़ 80 लाख रुपये का चेक दिया गया।

ठाणे. विशेष पुनर्निरीक्षण कार्यक्रम के तहत डिप्टी सीएम एकनाथ संभाजी शिंदे और लता एकनाथ शिंदे का एन्यूमरेशन फॉर्म भरा गया। इस मौके पर सर्जेराव मस्केपाटिल, उपजिलाधिकारी और वोटर रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 147 कोपरी पचपाखड़ी विधानसभा क्षेत्र, पुरुषोत्तम थोरात, तहसीलदार और छठे वोटर रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 147 कोपरी पचपाखड़ी विधानसभा क्षेत्र, राजेश सोनवणे,सहायक आयुक्त मनपा संजय सालुंके, नायब तहसीलदार रूपाली दाते, BLO, बापू पारेकर, रेवेन्यू असिस्टेंट सुपरवाइजर वैभव पडवल, क्लर्क हारुन शेख मौजूद थे।

टोरेंट पावर ने अति जर्जर 266 इमारतों को जारी किए नोटिस

- बिजली सुरक्षा को दी प्राथमिकता

भिवंडी. मानसून के दौरान विद्युत दुर्घटनाओं की बढ़ती संभावना को देखते हुए टोरेंट पावर ने फ्रेंचाइजी क्षेत्र में विद्युत सुरक्षा एवं उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाया है. पहल का उद्देश्य सुरक्षित बिजली उपयोग को बढ़ावा देना तथा विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम करना है. अभियान के अंतर्गत विद्युत दृष्टि से असुरक्षित पाई गई 266 इमारतों को नोटिस जारी किए गए हैं.

- वर्गीकृत करके दिया नोटिस

मनपा से मिली सूची के आधार पर जर्जर इमारतों को मुख्यतः 2 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है. पहली श्रेणी में जहां मीटर के बिना अनधिकृत रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा है. टोरेंट पावर द्वारा अनधिकृत कनेक्शनों को हटाने हेतु नियमित रूप से विशेष अभियान चलाए जाते रहे हैं बावजूद कुछ लोग अपने स्वार्थवश अनधिकृत बिजली उपयोग जारी रखते हैं, जिससे दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है.मानसून के दौरान

ऐसे नेटवर्क और भी अधिक खतरनाक साबित होते हैं.इमारतों को नोटिस के ज़रिए अधिकृत बिजली मीटर प्राप्त कर बिजली उपयोग को नियमित करने की सलाह दी गई है.

दूसरी श्रेणी में जहाँ बिजली के मीटर होने के बावजूद अंदर की वायरिंग और मीटर से उपभोक्ता के परिसर तक जाने वाली वायरिंग असुरक्षित है. रखरखाव ठीक से नहीं किया गया है. य इमारतों को नोटिस देकर लाइसेंस प्राप्त इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टरों के ज़रिए इलेक्ट्रिकल वायरिंग की ज़रूरी मरम्मत और नवीनीकरण का काम कराने की सलाह दी गई है. जन-सुरक्षा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए, टोरेंट पावर कंज्यूमर पोर्टल पर बिजली के लिहाज़ से असुरक्षित पहचानी गई इमारतों की पूरी सूची जारी की है.

टोरेंट पावर की ग्राहकों से अपील

टोरेंट पावर जन संपर्क अधिकारी चेतन बदियानी ने सभी उपभोक्ताओं, हाउसिंग सोसायटियों, मकान मालिकों एवं संपत्ति धारकों से अपील करती है कि,जीवन सुरक्षा की खातिर अधिकृत बिजली कनेक्शन का उपयोग करें. अपनी विद्युत व्यवस्था की नियमित जांच एवं रखरखाव सुनिश्चित करें, ताकि विद्युत दुर्घटनाओं को रोका जा सके .सुरक्षित वायरिंग, अधिकृत बिजली कनेक्शन, सुरक्षित जीवनर को प्राथमिकता देकर अपनी सुरक्षा के

सुभाषनगर-गांधीनगर SRA प्रोजेक्ट को रफ्तार

विधायक संजय केलकर की SRA ऑफिस में मीटिंग

ठाणे. सुभाषनगर गांधीनगर में कई सालों से रुके हुए एसआरए प्रोजेक्ट में अन्याय झेल रहे निवासियों को न्याय दिलाने के लिए विधायक संजय केलकर ने एसआरए ऑफिस में अधिकारियों, निवासियों और डेवलपर के प्रतिनिधियों की जॉइंट मीटिंग की। इस मीटिंग में सैकड़ों निवासियों के हित में फैसले लिए गए। अब इस प्रोजेक्ट को रफ्तार मिलने से निवासियों को राहत मिली है।इस मौके पर नगरसेवक अमित सरैया, नगरसेवक विकास पाटिल, नगरसेवक और ठाणे हाउसिंग फेडरेशन के प्रेसिडेंट सीताराम राणे, नगरसेविका माधुरी मेटांगे,एसआरए ऑफिसर राजकुमार पवार मौजूद

थे।सुभाषनगर-गांधीनगर में एसआरए प्रोजेक्ट कई सालों से रुका हुआ है और 1500 से ज़्यादा परिवारों को बेदखल किया जा चुका है। डेवलपर ने निवासियों के घर खाली तो कर दिए, लेकिन कई लोगों को आठ साल से किराया नहीं दिया गया है। इसके अलावा, एलिजिबल और इनएलिजिबल लिस्ट में फ्रॉड के आरोप भी लगे हैं। यहां के रहने वाले मिस्टर केलकर के पास पहुंचे और अपनी शिकायतें बताईं, जिस पर उन्होंने फॉलोअप शुरू किया। इसी बैकग्राउंड में, मिस्टर केलकर ने सोमवार को एसआरए ऑफिस में एक जॉइंट मीटिंग की। इस मौके पर, उन्होंने रहने वालों का प्रतिनिधित्व करते हुए डेवलपर और एसआरए एडमिनिस्ट्रेशन की भूमिका पर अपना गुस्सा जाहिर किया।मीटिंग में पॉजिटिव चर्चा के बाद, रहने वालों के हित में फैसले लिए गए। इसके मुताबिक, जिन रहने वालों का किराया बकाया है, उनकी फाइनल लिस्ट तीन महीने के अंदर तैयार की जाएगी और किराया दिया जाएगा। पहली बिल्डिंग का काम एक हफ्ते में शुरू कर दिया जाएगा और बाकी तीन बिल्डिंग का काम एक महीने बाद बिना रुके शुरू हो जाएगा। यह भी तय किया गया कि अगर डेवलपर इस मामले में फेल होता है तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मीडिया से बात करते हुए, केलकर ने कहा कि शहर में कई एसआरए प्रोजेक्ट चल रहे हैं और जहां कुछ प्रोजेक्ट ठीक चल रहे हैं, वहीं कई जगहों पर डेवलपर्स रहने वालों को गुमराह कर रहे हैं और धोखा दे रहे हैं। इन डेवलपर्स के खिलाफ लेजिस्लेटिव काउंसिल में एमपीआईडी एक्ट के तहत केस भी फाइल किया गया है। मीटिंग में उन डेवलपर्स के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की गई जो लोगों पर जुल्म करते हैं और झूठे केस करते हैं।विधायक केलकर ने यह भी साफ किया कि महारेरा या एसआरए ऑफिस को डेवलपर्स के लिए काम नहीं करना चाहिए, बल्कि लोगों पर फोकस करना चाहिए।

डिलीवरी बॉय नाले में गिरा

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप 4 इलाके में एक घटना हुई जिसमें एक जोमैटो डिलीवरी बॉय नाले में गिर गया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। डिलीवरी बॉय जब मुरली निवास के पीछे वाली गली से गुजर रहा था, तो उसका पैर नाले के कवर पर पड़ा। उसी समय कवर फिसल गया और वह सीधे नाले में गिर गया। किस्मत से, इस घटना में उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। नाले से बाहर आने के बाद उसने सबसे पहले नाले का कवर ठीक से लगाया, जिससे आगे होने वाले हादसे टल गए। इस बीच, इस घटना ने एक बार फिर उल्हासनगर में नागरिक सुविधाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

3.04 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन ज़ब्त, तस्कर गिरफ्तार

ठाणे. ड्रग्स के खिलाफ एक बड़े ऑपरेशन में क्राइम ब्रांच की कंपोनेंट-1 टीम ने 3 करोड़ 4 लाख रुपये की कीमत का 1 kg 520 ग्राम मेफेड्रोन (M.D.) ज़ब्त किया है। इस मामले में सलमान मुन्ना शेख (उम्र 30, निवासी मुंब्रा) को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से ड्रग्स लाने-ले जाने और बेचने में इस्तेमाल होने वाले ऑटो रिक्शा, कैश और मोबाइल फोन समेत कुल 3 करोड़ 5 लाख 260 रुपये का सामान ज़ब्त किया गया है।यह कार्रवाई क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर अमोल वलज़ादे को पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर ड्रग तस्करों के खिलाफ एक खास ऑपरेशन के दौरान मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर की गई।26 जुलाई, 2026 को रात करीब 10:30 बजे कल्याण फाटा में क्वीन्स केयर हॉस्पिटल के सामने

पब्लिक रोड पर जाल बिछाया गया था। जब संदिग्ध ऑटो रिक्शा की तलाशी ली गई, तो उसमें बेचने के लिए लाया गया 1.520 kg मेफेड्रोन (M.D.) मिला। जिसके बाद आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया गया।इस मामले में शील-डायघर पुलिस स्टेशन में NDPS एक्ट, 1985 की धारा 8(a), 22(a) और 29 के तहत केस दर्ज किया गया है। कोर्ट ने आरोपी को 31 जुलाई, 2026 तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है, और यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि उसे यह ड्रग किससे मिला और इसके पीछे और कौन सा रैकेट चल रहा है। यह शानदार ऑपरेशन क्राइम ब्रांच यूनिट-1 टीम ने पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे, जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस ज्ञानेश्वर चव्हाण, जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) डॉ. पंजाबराव उगले, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) अमरसिंह जाधव और सीनियर अधिकारियों के गाइडेंस में सफलतापूर्वक किया।

'मैं अनाथ हूं'

- शिल्पा शिंदे ने लॉक अप 2 में खोला जिंदगी से जुड़ा काला राज
- बोलीं- मेरे ही घर से मुझे निकाल दिया गया

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने लॉक अप 2 में अपनी लाइफ से जुड़ा एक भावुक किस्सा साझा किया। शो अपने अंत की तरफ बढ़ रहा है और कंटेस्टेंट्स के हैरान कर देने वाले सीक्रेट्स सामने आ रहे हैं। हाल ही के एपिसोड में शिल्पा शिंदे ने अपना एक इमोशनल सीक्रेट रिवील करते हुए बताया कि जब उनके कंधे की सर्जरी हुई तो उन्हें उन्हीं के घर से निकाल दिया गया। एक्ट्रेस का कहना था कि उनके पास फैमिली होकर भी फैमिली नहीं हैं। वह अनाथ हैं।

रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए जाने वाला शो लॉक अप 2 इस समय काफी चर्चा में है। शो में सभी कंटेस्टेंट्स को एक दूसरे सीक्रेट्स बांट दिए गए, जिसके बाद टास्क के चलते शिल्पा शिंदे को अपना सीक्रेट साझा करना पड़ा। शिल्पा ने कहा- 'लोग फैमिली फैमिली बोलते हैं, लोगों के पास फैमिली नहीं होती और मेरे पास होकर भी मैं अनाथ हूं।'

'मैं ये कोई सहानुभूति के लिए नहीं कर रही हूं। मैं शेल्टर हाउस में रहती हूं, जब भी आती हूं। पहले करजत मेरा दूसरा घर था लेकिन अब वो मेरा पहला घर है, क्योंकि मैंने मुंबई छोड़ दिया है।'

मुझे मेरे ही घर से निकाल दिया गया

शिल्पा ने आगे बताया कि '3 साल पहले मेरे कंधे की सर्जरी हुई थी, मेरा भाई अपनी पत्नी से प्रभावित हुआ, मेरी मां मेरे भाई से प्रभावित हुई और मेरी सर्जरी के पांचवें दिन मुझे मेरे ही घर से निकाल दिया गया।'

शिल्पा बताती हैं कि 'हालात ऐसे बनाए गए और उन्हें पता था कि मैं बहुत स्वाभानी हूं और मैं रात को 11 बजे वो घर छोड़कर चली गई। मुझे मेरी मां ने भी नहीं रोका। शिल्पा कहती हैं कि मैं अपने घर की डोरमैट बन गई थी। ये बताते हुए एक्ट्रेस को काफी भावुक देखा गया।'

डिप्टी सीएम ने ठाणे सिविल अस्पताल के काम का किया रिव्यू

ठाणे. ठाणे और आस-पास के पालघर जिलों के आम लोगों को अत्याधुनिक मेडिकल सुविधाएं तुरंत देने के लिए, ठाणे में 900 बेड वाले सिविल अस्पताल, महिला और बच्चों के हॉस्पिटल और सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल प्रोजेक्ट का काम बहुत जल्दी और 'फास्ट ट्रैक' तरीके से पूरा किया जाना चाहिए, यह निर्देश डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने आज हुई एक मीटिंग में दिया।डिप्टी सीएम के कमिटी रूम में हुई इस मीटिंग में ठाणे सिविल अस्पताल की मौजूदा स्थिति और अब तक हुए काम की प्रोग्रेस का डिटेल में रिव्यू किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबिटकर,मंत्री दादाजी भुसे, गुलाबराव पाटिल, उदय

सामंत, शंभूराज देसाई, संजय शिरसाट, संजय राठौड़, प्रताप सरनाईक के साथ डिप्टी सीएम के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी असीम गुप्ता, प्रिंसिपल सेक्रेटरी नवीन सोना,स्वास्थ्य सेक्रेटरी ई. रवींद्रन,जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल, ठाणे अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी,सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार मौजूद थे।उन्होंने संबंधित डिपार्टमेंट के सीनियर अधिकारियों से कहा कि प्रोजेक्ट के हर फेज में काम की स्पीड बढ़ाते हुए यह पक्का करें कि एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।अस्पताल बिल्डिंग पूरी होने और बिजली कनेक्शन न होने की वजह से अस्पताल शुरू न हो पाने का मुद्दा सामने आने के बाद, उन्होंने निर्देश दिया कि अस्पताल जैसी ज़रूरी सर्विस के लिए ज़रूरी सभी बिजली कनेक्शन का काम तय समय में पूरा किया जाए। इसके अलावा, डिप्टी सीएम ने यह भी निर्देश दिया कि अस्पताल बिल्डिंग की रेगुलर और हाई-क्वालिटी सफाई,अस्पताल में ज़रूरी लेटेस्ट मेडिकल इक्विपमेंट की तुरंत खरीद और सरकार द्वारा कुछ दिन पहले मंज़ूर किए गए 1078 नए पदों को भरने की पूरी प्रक्रिया में तेज़ी लाई जाए।इस बड़े 900 बेड वाले कॉम्प्लेक्स में, 500 बेड का मेन अस्पताल, 200 बेड का इंडिपेंडेंट महिला और बच्चों का अस्पताल और 200 बेड का रेफरल सर्विस अस्पताल एक ही छत के नीचे काम करेंगे। कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और ऑन्कोलॉजी जैसी बहुत ज़रूरी और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सुपरस्पेशलिटी डिपार्टमेंट मौजूद रहेंगे।

गैलरी का स्लैब गिरने से 6 फंसे, 1 की मृत्यु

ठाणे. मुंब्रा में फैयाज अपार्टमेंट ग्राउंड + 4 मंजिल 38 साल पुराना निर्माण इमारत की दूसरी मंजिल की गैलरी का स्लैब पहली मंजिल पर गिर गया 1 लड़की की मृत्यु और 6 लोग फंस गए। मौके पर फंसे लोगों को निकाला गया। जिसमें से 5 लोग सुरक्षित हैं और कुमारी अस्मा कादर शेख महिला 13 साल रहने वाली - कमरा नंबर 102 को गंभीर चोटों के कारण इलाज के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल, कलवा में भर्ती कराया गया, लेकिन मेडिकल ऑफिसर ने लड़की को मृत घोषित कर दिया।साथ ही, फैयाज अपार्टमेंट C2B कैटेगरी कुल 30 फ्लैट अभी 15 से 20 फ्लैट इस्तेमाल में है। बिल्डिंग को सुरक्षा कारणों से पूरी तरह खाली करा लिया गया है और बिल्डिंग में रहने वाले लगभग 70 से 80 लोगों को स्कूल नंबर 78 और 123 में कुछ समय के लिए शिफ्ट किया।

उक्त घटना स्थल पर उप महापौर कृष्णा पाटिल, विपक्ष के नेता अशरफ शानू पठान,उपायुक्त दीपक झिंजाड़, आपदा प्रबंधन अधिकारी वाई.एम. तडवी, सहायक आयुक्त विजय कवले, अग्निशमन विभाग स्टेशन अधिकारी गणेश खेतड़े, स्टेशन ऑफिसर सरनोबत के साथ टोरेंट पावर कंपनी के स्टाफ मौजूद थे।

महिला से 22 लाख की ठगी

अंबरनाथ. एक 59 साल की गृहिणी से ट्रेडिंग से प्रॉफिट कमाने का वादा करके 22 लाख रुपये की साइबर फ्रॉड की गई। इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। 2025 में आरोपियों ने शिकायतकर्ता, उसके बेटे और बेटी से संपर्क किया और उन्हें एक लिंक के ज़रिए ट्रेडिंग में इन्वेस्ट करने पर आकर्षक रिटर्न का लालच दिया। आरोपियों के वादों पर विश्वास करके,

शिकायतकर्ता और उसके परिवार ने संबंधित अकाउंट में कुल 22 लाख रुपये जमा कर दिए। हालांकि, जब उन्हें इन्वेस्ट की गई रकम या कोई भी प्रॉफिट वापस नहीं मिला, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099